

छत्तीसगढ़ समाचार.....

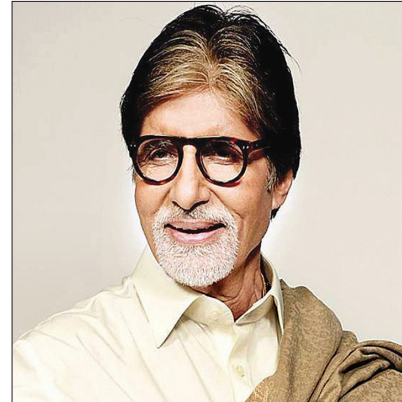
रायपुर : इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, परिसर में अत्याधुनिक बायोसेप्टी प्रयोगशाला स्थापित

रायपुर (आ.स.से.)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि इंदिरा गा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर परिसर में स्थापित अत्याधुनिक बायोसेप्टी लेवल-3 (बीएसएल-3) प्रयोगशाला छत्तीसगढ़ में उच्चस्तरीय जैव-सुरक्षा अनुसंधान को नई दिशा देने के साथ ही वैज्ञानिक नवाचार और संक्रामक रोगों की रोकथाम के

► **छत्तीसगढ़ में जैव-सुरक्षा अनुसंधान को मिलेगी नई ऊंचाई, बीएसएल-३ प्रयोगशाला से खुलेंगे वैज्ञानिक नवाचार के नए द्वार : मुख्यमंत्री**
► **संक्रामक रोगों की पहचान, रोकथाम और वैक्सीन अनुसंधान को मिलेगी गति**
► **कृषि, पशुपालन और मानव स्वास्थ्य से जुड़े अनुसंधान के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण उपलब्धि**
► **छत्तीसगढ़ में जैव-सुरक्षा अनुसंधान को मिलेगी नई ऊंचाई, बीएसएल-३ प्रयोगशाला से खुलेंगे वैज्ञानिक नवाचार के नए द्वार : मुख्यमंत्री**

क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रयोगशाला के माध्यम से संक्रामक रोगजनकों की पहचान, उनके वैज्ञानिक अध्ययन, वैक्सीन एवं उपचार संबंधी अनुसंधान तथा उन्नत नैदानिक तकनीकों के विकास को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकासित भारत के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ में वैज्ञानिक अनुसंधान, जैव-प्रौद्योगिकी और आधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं का विस्तार राज्य के समग्र विकास को दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कृषि एवं पशुपालन आधारित अर्थव्यवस्था वाले छत्तीसगढ़ में इस प्रकार की उच्चस्तरीय वैज्ञानिक सुविधा का विशेष महत्व है। उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसायटी द्वारा नवनिर्मित सुभाषचंद्र बोस बायोटेक इन्क्यूबेशन सेंटर के अंतर्गत स्थापित बायोसेप्टी लेवल-3 प्रयोगशाला का लोकार्पण विगत 28 सितंबर को किया गया था। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसायटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. निरीश चंदेल के प्रयासों की सराहना करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बीएसएल-3 प्रयोगशाला के माध्यम से पौधों, पशुओं और मानव स्वास्थ्य से जुड़े संक्रामक रोगों, विशेषकर पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले जूनोटिक रोगों के अध्ययन एवं निगरानी को नई गति मिलेगी। यह सुविधा गंभीर संक्रामक रोगों की शीघ्र पहचान, रोग प्रकोप से निपटने की तैयारी और उन्नत नैदानिक क्षमताओं को सुदृढ़ करने में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस अत्याधुनिक प्रयोगशाला में उच्च जैव-सुरक्षा क्षमता के अनुरूप निर्वाचित वातावरण उपलब्ध होगा, जिससे वैज्ञानिकों और शोधार्थियों को संक्रामक रोगजनकों के विस्तार तथा वैक्सीन एवं उपचार संबंधी अनुसंधान के नए अवसर प्राप्त होंगे। इससे राज्य में कृषि जैव-प्रौद्योगिकी, पशु स्वास्थ्य और संक्रामक रोग अनुसंधान के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण के परस्पर संबंधों पर आधारित रचन हेतुस्थर दृष्टिकोण को मजबूत बनाने में भी यह प्रयोगशाला महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में रोगों की निगरानी और वैज्ञानिक समाधान विकसित करने की संभावनाएं बढ़ेंगी। श्री साय ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय पहले से ही कृषि अनुसंधान, जैव-प्रौद्योगिकी और आधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विश्वविद्यालय की फाइनेंसिएटरी प्रयोगशाला कृषि नमूनों, मूत्रा, जल, फसल अवशेषों तथा अन्य नमूनों के परीक्षण एवं अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बीएसएल-3 प्रयोगशाला की स्थापना से विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमताओं को और अधिक मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सुविधा से वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, प्रयोगशाला तकनीशियनों एवं संबंधित विशेषज्ञों को उच्च जैव-सुरक्षा मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण और अनुसंधान के अवसर मिलेंगे। इससे राज्य में कुशल वैज्ञानिक मानव संसाधन विकसित करने के साथ ही आधुनिक अनुसंधान तकनीकों के विस्तार को प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि बीएसएल-3 प्रयोगशाला भविष्य में संक्रामक रोग अनुसंधान, रोग निगरानी, जैव-सुरक्षा, पशु एवं जूनोटिक रोगों के अध्ययन तथा रोग प्रकोप से निपटने की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अधोसंरचना के रूप में विकसित होगी। इससे छत्तीसगढ़ में उच्चस्तरीय जैव-सुरक्षा अनुसंधान को नई गति मिलने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को अनुसंधान क्षमता और पहचान को भी मजबूती मिलेगी।

रायपुर : प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन में दत्तेवाड़ा ने रचा इतिहास, मिला ‘सर्वश्रेष्ठ जिला’ पुरस्कार
नई दिल्ली (आ.स.से.)। छत्तीसगढ़ ने कृषि विकास, किसान कल्याण और ग्रामीण समृद्धि के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना के उत्कृष्ट एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दक्षिण बेतवाड़ा जिले को देशभर में ‘सर्वश्रेष्ठ जिला’ के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों, कृषि क्षेत्र में नवाचार, प्रभावी प्रशासनिक नेतृत्व और मैदानी स्तर पर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का महत्वपूर्ण परिणाम है।



ट्रोलिंग पर पहली बार बोले अमिताभ बच्चन, बतायी ज्यादा ना लिखने की वजह

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने ‘केबीसी 18’ में अपनी उम्र के कारण ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करने के बारे में बात की। उन्होंने याद किया है कि कैसे नकारात्मक टिप्पणियों ने उन्हें सोशल मीडिया पर अपने विचार साझा करने से पहले दो बार सोचने पर मजबूर कर दिया। ‘केबीसी18’ के हालिया एपिसोड्स पर होस्ट और अभिनेता अमिताभ बच्चन ने खुद से जुड़ी कई बातें दर्शकों के साथ साझ कीं। अब उन्होंने टवीट करने और उस पर आने वाले रिएक्शन और कमेंट्स के बारे में पहली बार बात की। बिग बी ने सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग पर भी काफी कुछ कहा। ‘केबीसी 18’ के नए एपिसोड में बिग बी ने अपने ब्लॉग्स और टवीट पर आने वाले कमेंट की बात की। उन्होंने कहा, ‘पहले हमने सोचा था कि ये बहुत अच्छा जरिया है। इसमें हम अपने दिल की बात बोल देते हैं। उसके बाद जब हमने पढ़ना शुरू किया कि हमारे पोस्ट पर कमेंट क्या हैं ? तो हमने ऐसे लिखना बंद कर दिया। अपने आप को क्या समझता है रे तु बड़ुक, ऐसे क्यों बात रहा है? लोग इस तरह के कमेंट तक करते हैं। ऐसी-ऐसी शब्दवाली होती है, बड़ा अजीब लगता है हमको। आगे अमिताभ ने बताया कि इस तरह की प्रतिक्रिया मिलने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया से थोड़ी दूरी बना ली। हालांकि उन्होंने आगे कहा, ‘भाई साहब, एक बात हम बताएं आपको जब से हमने लिखना कम कर दिया है, हमारे फॉलोअर्स बढ़ते ही चले जा रहे हैं। आपको बात है कि सदी के महानायक अमिताभ बच्चन कई वर्षों से इंटरनेट पर सक्रिय हैं और उन्होंने 2008 में अपना निजी ब्लॉग लिखना शुरू किया था। वह पिछले 18 वर्षों से इसे निरंतर लिख रहे हैं। इसके अलावा वह कई सोशल मीडिया साइट का उपयोग अपने प्रशंसकों के साथ अपने विचार, अनुभव और अपने जीवन से जुड़ी खबरें साझा करने के लिए करते हैं। बिग बी ने कहा था, मेरी मां भी सही माताओं की तरह थीं। गंदगी उनको पसंद नहीं थी। वो एक सिख परिवार से थीं। बाऊजी इलाहाबाद के थे। उनका इंटरकास्ट मैरिज हुआ था। वो बहुत ही रोचक कहानी है। कभी उनकी आत्मकथा पढ़िएगा तो आपको पता चलेगा। एक दिन के अंदर मां ने अपना सब कुछ छोड़ दिया और तय किया कि बाऊजी के साथ वो विवाह करेंगी।

बिपाशा बसु फिर अभिनय की दुनिया में लौटने को तैयार

अभिनेत्री बिपाशा बसु लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर एक्टिंग का जादू बिखेरीती नजर आएंगी। उनके हाथ एक वेब सीरीज लगी है। इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। बिपाशा बसु बिटिया देवी के जन्म के बाद से एक्टिंग से दूर हैं। मगर, उनके फैसले के लिए खुशखबरी है। अभिनेत्री करीब छह साल बाद अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरने को तैयार हैं। वे हंसल मेहता की वेब सीरीज से जुड़ी हैं, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। बिपाशा बसु मशहूर फिल्ममेकर हंसल मेहता की नई सीरीज में एक अवसर रोल में नजर आएंगीं। अभी तक इस शो के बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, बस इतना पता चला है कि सनी कौशल और विशाल जेटवा भी इस शो में बिपाशा के साथ नजर आएंगे। सीरीज का नाम अभी तय नहीं है। हंसल मेहता की इस अनटाइटल्ड सीरीज को कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखा है। इसे ऑलभाइटी मूवीज प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रदर्शन संधू ने प्रोड्यूस किया है। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। यह शो प्राइम वीडियो पर आएगा। इसकी कहानी एक छोटे से, गुमानम शहर की है, जो महाद्वीप की हेरोइन राजधानी बनने की कगार पर है। इसमें सनी कौशल एक ईमानदार पुलिस वाले का किन्दाश कर रहे हैं, जो अपनी ईमानदारी और ईंसानियत को बचाने की कोशिश करते हुए सिस्टम के अंदर और बाहर की ताकतवर ताकतों से लड़ते हैं।

कभी नारी सुरक्षा के सवालों से घिरा यूपी अब बना सामर्थ्य की नयी पहचान-मुख्यमंत्री

लखनऊ (आससे.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्रि की द्वितीया पर मां ब्रह्मचारिणी के स्वरूप की पूजा की। उन्होंने प्रदेशवासियों से इसके महत्व पर चर्चा की। कहा कि मां ब्रह्मचारिणी के तप और संकल्प से सिद्धि का मंत्र हमें सिखाता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति से असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी सिद्ध किए जा सकते हैं।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर 2017 से पहले और इसके बाद के उत्तर प्रदेश की तुलना की। कहा कि वर्ष 2017 से पहले महिला सुरक्षा को लेकर सवालों से घिरा रहने वाला उत्तर प्रदेश आज नारी सुरक्षा और सामर्थ्य की नई पहचान बना है। विगत 9.5 वर्षों में अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति, तकनीक आधारित निगरानी, पुलिस की त्वरित कार्रवाई और जन-जागरूकता अभियानों

डिजिटल निगरानी और असमानता

मानवाधिकारों के लिए बड़ी चुनौती

नयी दिल्ली (आससे.)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनचरआरसी) ने सोमवार को नयी दिल्ली में अपना 33वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति नौ. रामासुब्रमण्यम ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता और कमजोर वर्गों की समस्याओं के साथ डिजिटल निजता व निगरानी मानवाधिकारों के लिए नई चुनौतियां बनकर उभरी हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में दुनिया ने काफी प्रगति की है, लेकिन इन चुनौतियों से अब भी लाखों लोग प्रभावित हैं। तकनीक जनमत को प्रभावित करने, लोगों की सोच को दिशा देने और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने में सक्षम है। ऐसे में मानवाधिका रसंस्थानों को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अपनी कार्यप्रणाली मजबूत करनी होगी।

२०४७ तक ३० ट्रिलियन डॉलर की होगी भारतीय अर्थव्यवस्था-पीयूष गोयल



नयी दिल्ली (आससे.)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि वर्ष 2047 तक भारत

की अर्थव्यवस्था 30 ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी। उन्होंने युवाओं से नए विचारों, नवाचार और स्पष्ट उद्देश्यों के साथ देश की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। नयी दिल्ली में सोमवार को दिल्ली संवाद-2026 को

देश-विदेश



अब ३५00 रुपये मिलेगा ग्राम प्रहरियोंको मानदेय

लखनऊ (आससे.)। सीएम योगी ग्राम प्रहरियों को बड़ी सौगात देने वाले हैं।13 अक्टूबर को बरेली पुलिस लाइन में ग्राम प्रहरियों को सम्मानित कर एक हजार रुपये मानदेय बढ़ाने की घोषणा करेंगे। 2500 से बढ़कर 3500 रुपये मासिक मानदेय होगा। एकमुश्त 40 प्रतिशत की वृद्धि से सालाना 12 हजार रुपये अतिरिक्त मिलेंगे।गृह विभाग से जुड़े ग्राम प्रहरियों के मानदेय में वृद्धि से सरकार पर सालाना करीब 84 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय आयेगा। रसोइयों, आंगनावाड़ी कर्मियों और पंचायत सहायकों के बाद अब ग्राम प्रहरियों की बारी, सामाजिक पेंशन भी बढ़ाने की तैयारी है। सवा करोड़ से अधिक लोगों की पेंशन भी बढ़ाने की तैयारीहै। योगी सरकार वृद्धावस्था, निराश्रित महिला और दिव्यांगजन पेंशन बढ़ाने की तैयारी कर रही है।सामाजिक पेंशन 1000 से बढ़ाकर 1500 रुपये प्रतिमाह करने की तैयारी है।

योगी सरकारने किसानों के लिए जारी किया पूर्व की सरकारोंसे तीन गुना ज्यादा बजट-कृषि मंत्री

गोरखपुर (आससे.)। बाढ़, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि और चक्रवात से फसल क्षति से प्रभावित प्रदेश के नौ लाख से अधिक किसानों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहत राशि सौंपी। गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि योगी सरकार ने किसानों के लिए खजाना खोल दिया है। उन्होंने कहा कि खुद को धर्तीपुत्र और किसानपुत्र कहने वाली पिछली सरकारों ने किसानों के लिए अपेक्षित काम नहीं किया, जबकि योगी सरकार ने उनके मुकाबले तीन गुना से अधिक राशि खर्च की है। शाही ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के बाद

पहली कैबिनेट में 86 लाख किसानों के रखने में सक्षम है। ऐसे में मानवाधिका रसंस्थानों को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अपनी कार्यप्रणाली मजबूत करनी होगी।

संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत ने प्राप्त करने और कठिन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता दिखाई है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ की आबादी और युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी ताकतों में हैं। जहां कई देशों में बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है, वहीं भारत की औसत आयु 30 वर्ष से कम है। अगले तीन दशकों तक इसके इसी स्तर पर रहने की उम्मीद है।गोयल ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, महत्वाकांक्षा और दृढ़ संकल्प उन्हें भारत की विकास यात्रा का केवल उत्तराधिकारी नहीं, बल्कि निर्माता भी बनाते हैं। युवा शक्ति देश को अधिक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में अहम भूमिका निभाएगी।

सपा सांसद धनराज नथवानी वार्ड

प्लेन से सीटिफिकेट लेने आये

लखनऊ (आससे.)। सपा के अरबपति राज्यसभा सांसद धनराज नथवानी सोमवार को चार्टर्ड प्लेन से लखनऊ आए। एयरपोर्ट से सीधे विधान भवन पहुंचे और रिटर्निंग अफसर से राज्यसभा चुनाव में अपनी जीत का सर्टिफिकेट लिया। इस दौरान सपा मुखिया अखिलेश यादव नजर नहीं आए। दरअसल, अखिलेश का अचानक दिल्ली खाना होने का प्लान बन गया था। वहां उन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफविपक्ष के मार्च में शामिल होना था। इसलिए यूपी विधानसभा में नथवानी के साथ नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष जािसम अंसारी मौजूद रहे।

कश्मीरमें कीटनाशक-मुक्त सेबके दावेसे स्तनपान पर चर्चा तेज, मां के दूध में रसायनों की जांच की मांग

जम्मू (आससे.)। कश्मीर में कीटनाशक-मुक्त सेब की पहली खेप तैयार होने के दावे ने खाद्य सुरक्षा और स्तनपान के दौरान कीटनाशकों के संभावित संपर्क को लेकर नई बहस छेड़ दी है। शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो नजीर अहमद गैस के अनुसार, विश्वविद्यालय ने ऐसे सेब तैयार किए हैं, जिनकी प्रयोगशाला जांच में परीक्षण किए गए सभी 55 कीटनाशकों के अवशेष निर्धारित मात्रात्मक पहचान स्तर से नीचे पाए गए। हालांकि, यह नतीजा संबंधित सेवों के नमूनों तक सीमित है और इसे पूरे कश्मीर की सेब फसल का प्रमाण नहीं माना जा सकता। एक स्थानीय समाचार एजेंसी की 5 अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, जम्मू कश्मीर में स्तनपान कराने वाली महिलाओं के दूध में कीटनाशक अवशेषों की

ने प्रदेश में महिलाओं के लिए भयमुक वातावरण के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाई है।सीएम योगी ने कहा कि मिशन शक्ति के पांच चरणों, सेफ सिटी परियोजना, मिशन शक्ति केंद्रों और महिला बीट पुलिसिंग जैसी पहलों ने महिला सुरक्षा तंत्र को व्यापक और सुदृढ़ आधार प्रदान किया है।



हजार करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि योगी सरकार अब तक किसानों ने ७69,163 करोड़ खर्च कर चुकी है। कृषि मंत्री ने कहा कि योगी सरकार ने किसानों को समय पर बीज, बिजली

लखनऊमें संकल्प भारत के तीसरे संस्करणका आयोजन २८ को

लखनऊ (आससे.)। आविष्कार फाउंडेशन और इंटेलेक्प 28 अक्तूबर को क्लबर्स अवध, लखनऊ में संकल्प भारत के तीसरे संस्करण का आयोजन करेंगे। द भारत स्टोरी क्लाइमेट, कल्चर एंड कंप्यूट थीम वाले इस समित में भारत के छोटे शहरों और कस्बों में उभरते अक्सरों को लगाने के लिए 600 से अधिक फाउंडर्स, इन्वेस्टर्स, संस्थानों और पॉलिसीमेकर्स को एक साथ लाया जाएगा।आविष्कार ग्रुप के फाउंडर एंड वाइस चेयरमैन, नीतीत राय ने कहा कि किसी समस्या के सबसे करीब रहने वाले लोग ही क्लाइमेट, स्पेस टेक, एआई और आजीविका के क्षेत्र में भारत के बेहतरीन समाधान तैयार कर रहे हैं। हमारा काम उन्हें छोटे शहर के एक अच्छे विचार को राष्ट्रीय स्तर की कंपनी में बदलने के लिए पूंजी, बाजार और संस्थान उपलब्ध कराना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के 25 जिलों में आविष्कार फाउंडेशन के कार्यक्रम 500 से अधिक सरकारी स्कूलों और कलेजों के 30,000 से अधिक छात्रों तक पहुंच चुके हैं। इसके एंटरप्रेनोर इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम ने पहली पीढ़ी के 40 उद्यमियों को समर्थन दिया है, जिसमें से 80 प्रतिशत महिलाएं हैं। इनमें गोरखपुर की प्रावधान फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी शामिल है, जो 2,000 किसानों की मदद कर रही है, और वागणसी का शिक्षा शास्त्री, जो 237 से अधिक स्कूलों और 6,700 से अधिक शिक्षार्थियों को जोड़ रहा है। आविष्कार फाउंडेशन की सीईओ, लिसा रौडिस्स ने कहा कि सबसे रोमांचक बात यह है कि ये उद्यमी किस समस्याओं को सुलझाने के लिए चुन रहे हैं। वे मैन्युफैक्चरिंग, कृषि, कौशल विकास और आजीविका की वास्तविक जरूरतों के इर्द-गिर्द व्यवसाय बना रहे हैं। संकल्प भारत हमें इन कहानियों और उनकी क्षमता को एक बड़े मंच पर लाने का अवसर देता है, जिससे हम भारत के उद्यमशीलता विकास के अगले चरण का निर्माण कर सकें।

यूपीके सभी जिलों में खुलेंगे पंचगव्य के आउटलेट

लखनऊ (आससे.)। उत्तर प्रदेश में गो आधारित उत्पादों को बाजार उपलब्ध करने और इससे जुड़े रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में प्रदेश के सभी 75 जिलों में आउटलेट खोलने की योजना है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से गोपालकों, किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए नया माध्यम मिलेगा। इससे पशुपालन को केवल दूध उत्पादन तक सीमित रखने के बजाय गोवंश से प्राप्त अन्य उपयोगी उत्पादों के व्यावसायिक इस्तेमाल की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर से अलग-अलग श्रेणियों के उत्पाद तैयार कर उसे आउटलेट के जरिए उपलब्ध कराया जाएगा। डेयरी उत्पादों के अलावा गोबर से जैविक खाद, हवन सामग्री, धूपबत्ती, अगरबत्ती, दीये, गोबर से गमले और सजावटी वस्तुएं भी तैयार की जाएंगी। सीएम योगी के विजन के अनुरूप गो आधारित पर्यावरण-अनुकूल वस्तुओं के निर्माण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे उत्पादों के लिए पर्यास्थित बाजार विकसित होने पर ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और बिक्री से जुड़े छोटे उद्यमों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। गो आधारित उत्पादों के कारोबार का एक महत्वपूर्ण पहलु यह है कि इसमें अलग-अलग स्तर पर लोगों की भागीदारी होगी। गोपालक और किसान दूध, गोबर तथा अन्य उपलब्ध संसाधनों की आपूर्ति करेंगे, जबकि स्थानीय उद्यमी इनसे उपयोगी उत्पाद तैयार करने, उनकी पैकेजिंग और विपणन का काम संभाल सकते हैं।



मात्रा में कीटनाशक पहुंच रहे हैं। अन्य राज्यों के अध्ययन में मिले अध्ययन देश के अन्य हिस्सों में हुए अध्ययनों ने इस चिंता को आधार दिया है। पश्चिम बंगाल, असम और पंजाब में स्तनूद्ध के नमूनों में डीडीटी, एचसीएच, एंडोसल्फान और कुछ

कश्मीर मैराथनमें १२ देशों के ६७ विदेशी धावक होंगे शामिल

जम्मू (आससे.)।। ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में 25 अक्टूबर को होने वाली कश्मीर मैराथन के तीसरे संस्करण के लिए 12 देशों के 67 विदेशी नागरिकों ने पंजीकरण कराया है और अधिकारी इस अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन के लिए व्यापक व्यवस्था कर रहे हैं।कश्मीर मैराथन का तीसरा संस्करण श्रीनगर में आयोजित होने जा रहा है, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय धावकों के भाग लेने की उम्मीद है। प्रतिभागियों की सुरक्षा और आयोजन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां चल रही हैं।पर्यटन विभाग और अन्य हितधारक एजेंसियों द्वारा की जा रही तैयारियों का आकलन करने के लिए संभागीय आयुक्त कश्मीर अंशुल गार्ग की अध्यक्षता में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान भागीदारी के आंकड़े जारी किए गए।

राष्ट्र नतामत्तक है आपके सम्मान में...

0000-13.10.1891

जब ब्रिटिश शासन से मातृभूमि की आबादी के लिए संघर्ष चल रहा था उस दौर में उत्तर-पूर्वी भारत के कबिलाई लोगों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। ‘**मातृभूमि सेवा संस्था**’ तथा हिन्दी दैनिक समाच. 1२ पत्र ‘**आज**’ मणिपुर की अनेक जनजातियों में से एक थांगल जनजाति के एक **वीर बलिदानी ‘चिरई नागा जी’** के महान बलिदान को आप तक पहुँचाने का प्रयास करेंगी। महाराज चंद्रकीर्तिध्वज सिंह जी के निधन उपरान्त उनके ज्येष्ठ पुत्र सुरचंद्रध्वज सिंह ने सिंहासन संभाला। राजसत्ता को लेकर परिवार में मतभेद के साथ-साथ मनभेद पैदा हुआ तो सुरचंद्रध्वज सिंह वायसरॉय लॉर्ड लैंड्सडाउन के पास कलकत्ता पहुँचे। सुरचंद्रध्वज सिंह के कलकत्ता जाते ही कुलचंद्रध्वज सिंह ने राजसत्ता संभाल लिया और तिकेंद्रजीत सिंह जी को युवराज घोषित कर दिया। 22.02.1891 सुरचंद्रध्वज सिंह ने वहाँ लॉर्ड लैंड्सडाउन और असम के मुख्य आयुक्त मिस्टर जे डब्ल्यू किंव्टन से मिल मणिपुर आने का निमंत्रण दिया। ब्रिटिश इसी स्फुट डाली और राज करण कि नीति को नहीं सफल कराने का अवसर दूँह रहे थे। भाईयों के बीच पनपे मनभेद का फायदा उठाने के लिए मुख्य आयुक्त मिस्टर जे डब्ल्यू किंव्टन सैनिक टुकड़ी के साथ 24.03.1891 को राजशाही महल में पहुँचा। 24.03.1891 का प्रातः 04:४5 युवराज तिकेंद्रजीत सिंह जी को पकड़ने के उद्देश्य से उनके महल पर हमला किया, जिसमें अनेक निर्दोष नागरिक मारे गए। उसी दिन फिर ब्रिटिश एवं कुलचंद्रध्वज सिंह के बीच शांति के लिए दरबार लगा, किंतु कोई निष्कर्ष नहीं निकला। 24.03.1891 की सुबह की घटना के दौरान मारे गए लोगों के परिजनों को बेकाबू भीड़ ने राजनैतिक एजेंट मिस्टर गिमबुड को मौत के घाट उतार दिया। महाराज कुलचंद्रध्वज सिंह जी ने ब्रिटिश को खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी। अंग्रेजों के खिलाफ इस विद्रोह के हिस्सा रहे चिरई नागा जी को सुचना मिली की मयांगखांग के रेस्टहाउस बंगला में टेलीग्राम सुपरिस्टेंडेंट डब्ल्यू बी मेलविले और सिमनल अधिकारी जेम्स ओ ब्रायन रुके हुए हैं। चिरई नागा एवं इनके साथियों ने हमला बोल दिया जिसमें जेम्स ओ ब्रायन तो मारा गया, किंतु घायल टेलीग्राम सुपरिस्टेंडेंट डब्ल्यू बी मेलविले अंधेरे का फायदा उठा भाग निकला। चिरई नागा एवं इनके साथियों द्वारा जंगल में छापा मारकर आखिर उसे दूँह निकाला। वह एक जलधारा के पास छुपा हुआ था। चिरई नागा ने उसे मौत के घाट उतारने में तलिक भी देरी न लगाई। बाद में अंग्रेजी टुकड़ी द्वारा खोज में चिरई नागा जी को पकड़ लिया गया तथा 13.10.1891 को फाँसी दे दी गई। - ‘**राकेश कुमार**’

मातृभूमि सेवा संस्था

(प्राचीन भारत अधिवेशन 1982 के अवसर निर्माण, एक गैर-न्यायकारी संस्था)

9891960477-क्रांतिकारियों के जीवन पर निर्मित कैलेंडर प्राप्त करने हेतु संपर्क सूत्र।

दिल्ली में औचक प्रदर्शन का खुफिया अलर्ट

नयी दिल्ली (आससे.)। दिल्ली में विभिन्न राजनीतिक दलों एवं सीजेपी के प्रदर्शनों को लेकर ऐसे खुफिया अलर्ट मिल रहे हैं कि 12 अक्तूबर के बाद भी प्रदर्शन जारी रह सकता है। हालांकि अभी तक किसी राजनीतिक संगठन या सीजेपी ने आगामी प्रदर्शन की घोषणा नहीं की है, लेकिन खुफिया अलर्ट में सामने आया है कि दिल्ली में अब औचक प्रदर्शन हो सकता है। इसके मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखने के लिए सीएपीएफ की तैनाती को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। फिलहाल दिल्ली में दीवाली तक केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को लगभग सौ कंपनियां तैनात रहेंगी। बता दें कि विरोध प्रदर्शनों के चलते इस माह के शुरू में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों सीएपीएफ की सैकड़ों कंपनियों को दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में तैनात किया गया था। इन केंद्रीय बलों की कंपनियों में

केंद्रीय बलके जवान राजधानी में ही तैनात रहेंगे

सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी शामिल हैं। दिल्ली पुलिस ने पिछले सप्ताह से ही नई दिल्ली में जंतर मंतर और उसके आसपास मजबूत सुरक्षा घेरा तैयार किया था। इसके लिए पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ से सीआरपीएफ की 70 कंपनियां को दिल्ली बुलाया गया। जम्मू से भी सीआरपीएफ की कई कंपनियां दिल्ली पहुंची हैं। इनके अलावा बीएसएफ की कंपनियों को पिछले सप्ताह दिल्ली में पर्यटनिक किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, अब सीएपीएफ की कंपनियों को आगामी आदेशों तक दिल्ली में ही तैनात रखने की बात कही गई है। वजह, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विपक्ष का औीक प्रदर्शन, अब सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती बनता जा रहा है। राहुल गांधी, प्रदर्शन के दौरान किसी भी ऐसे स्थल पर पहुंच जाते हैं, जिसकी जानकारी पुलिस के पास नहीं होती। पहले वे अचानक ही आकाशवाणी के भीतर चले गए थे। राहुल के सुरक्षा कर्मी भी उनके इस कदम से अज्ञान थे। इसी तरह सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में भी राहुल गांधी, जिस तरह पहुंचे, वह पुलिस के लिए हैरान करने वाला कदम था। इसमें राहुल गांधी का खुद का सुरक्षा घेरा भी टूटता हुआ दिखा।

खुली मिठाई पर भी बतानी होगी इस्तेमाल की आखिरी तारीख,१५ से नियम लागू

लखनऊ (आससे.)। मिठाई खरीदने वाले ग्राहकों के लिए राहत की खबर है। उत्तर प्रदेश में 15 अक्टूबर 2026 से मिठाई पर ‘यूज बाय डेट’ यानी उपयोग की अंतिम तिथि प्रदर्शित करना अनिवार्य हो जाएगा। नई व्यवस्था लागू होने में अब महज दो दिन शेष हैं। खास बात यह है कि नियम सिर्फ पैकेड मिठाइयों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बिक्री के लिए प्रदर्शित और भंडारित खुली मिठाइयों पर भी उपयोग की अंतिम तिथि स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करनी होगी।आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग डॉ रोशन जैकब ने 27 सितंबर को इस संबंध में विस्तृत आदेश जारी किया था।खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की यह व्यवस्था त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं को मिठाई की ताजगी और गुणवत्ता के संबंध में जरूरी जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब ग्राहक मिठाई खरीदते समय यह देख सकेंगे कि संबंधित उत्पाद का सेवन किस तारीख तक किया जाना उचित है।15 अक्टूबर से मिठाई विक्रेताओं को बिक्री स्थल पर उत्पाद की ‘यूज बाय डेट’ स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करनी होगी। इससे उपभोक्ता को मिठाई की उपयोग अवधि की जानकारी खरीद के समय ही मिल सकेगी और वह अपनी जरूरत के अनुसार निर्णय ले सकेगा।

पेप्सिको कम्पनी को हाईकोर्टसे झटका, एनर्जी ड्रिंक लेबल के साथ नये उत्पादन पर रोक बरकरार

नयी दिल्ली (आससे.)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को पेप्सिको को ‘एनर्जी ड्रिंक’ लेबल के साथ अपने पेप पदार्थों का उत्पादन जारी रखने की अनुमति देने से इनकार करने वाले आदेश में तत्काल हस्तक्षेप करने से मना कर दिया। हालांकि, अदालत ने एकल न्यायाधीश से दस फैसले के पीछे के स्पष्ट कारण एक सप्ताह के भीतर दर्ज करने को कहा है।कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांवरे और न्यायमूर्ति संजय शर्मा की पीठ पेप्सिको की उस अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें छह अक्टूबर के एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी गई थी। पीठ ने आदेश में विशिष्ट कारणों का जिक्र नहीं होने पर ध्यान दिया और कहा कि इन कारणों को दर्ज किया जाना जरूरी है, ताकि अपील पर विचार किया जा सके।पेप्सिको की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने दलील दी कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) ने कंपनी को अपने पेप पदार्थों से ‘एनर्जी ड्रिंक’ शब्द हटाने की निर्देश दिया था। इसके बाद एकल न्यायाधीश ने कंपनी को इस मामले में सख्त कार्रवाई से संकषण दिया और पहले से मौजूद स्टॉक बेचने की अनुमति भी दी।हालांकि, कंपनी को ‘रिंग एनर्जी’ और ‘एडवांस्ड स्पाई’ नाम वाले पेप पदार्थों का ‘एनर्जी ड्रिंक’ लेबल के साथ नया उत्पादन करने की अनुमति नहीं दी गई। कंपनी ने वकील ने कहा कि एक अन्य मामले में इसी तरह की राहत दूसरे पेप पदार्थ को दी गई थी। पीठ ने कहा कि इस स्तर पर वह मामले के गुण-दोष पर विचार नहीं करना चाहती। खासकर इसलिए क्योंकि अतिरिक्त राहत की पुष्टि से जुड़ी पेप्सिको की याचिका अभी एकल न्यायाधीश के समक्ष लंबित है।

